राजनीतिक सिद्धांत Notes Chapter 8 Class 11 Rajnitik Siddhant धर्मनिरपेक्षता UP Board

धर्म निरपेक्षता का अर्थ है:–

– बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों को अपना धर्म मानने व प्रचार करने की स्वतंत्रता अर्थात् जब राज्य धर्म को लेकर कोई भेद–भाव न करें।

– भारत विभिन्नताओं का देश है लोकतन्त्र को बनाए रखने के लिए सभी को समान अवसर प्रदान करने का कार्य कठिन है इस लिए भारतीय संविधान के 42वें संशोधन के द्वारा पंथ निरपेक्षता शब्द को जोड़ा गया। संविधान के घोषणा पत्र में धार्मिक वर्चस्ववाद का विरोध करना, धर्म के अन्दर छिपे वर्चस्व का विरोध करना तथा विभिन्न धर्मों के बीच तथा उनके अन्दर समानता को बढ़ावा देना आदि की घोषणा करता है।

धर्मों के बीच वर्चस्ववाद:–

– हर भरतीय नागरिक को देश के किसी भी भाग में आज़ादी और प्रतिष्ठा के साथ रहने का अधिकार है फिर भी भेदभाव के अनेक उदाहरण पाए जाते है जिससे धर्मों के बीच वर्चस्ववाद बढ़ा क्योंकि हमें स्वयं के धर्म को श्रेष्ठ मानते हैं।

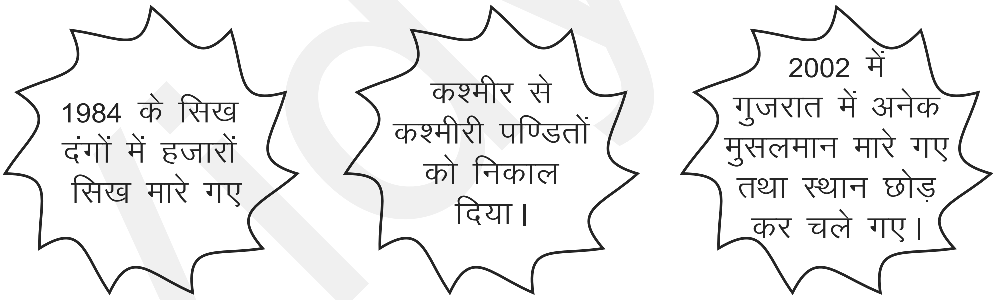

धर्म के अन्दर वर्चस्ववाद:–

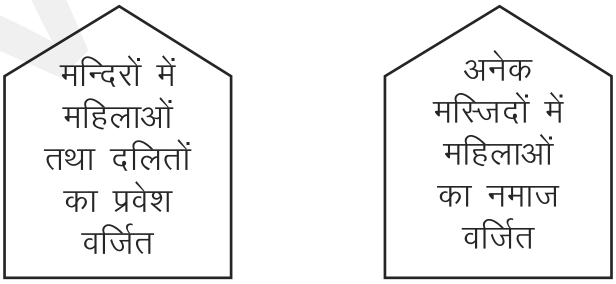

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

धर्म निरपेक्ष राज्यः–

– वह राज्य जहां सरकार की तरफ से किसी धर्म को अधिकारिक (कानूनी) मान्यता न दी गई हो।
– सर्व धर्म समभाव की अवधारणा को महत्व।
– धार्मिक समूह के वर्चस्व को रोकना
– धार्मिक संस्थाओं एवं राज्यसत्ता की संस्थाओं के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। तभी शांति, स्वतंत्रता और समानता स्थापित हो पाएगी।
– किसी भी प्रकार के धार्मिक गठजोड़ से परहेज।
– ऐसे लक्ष्यों व सिद्धान्तों के प्रति प्रतिबद्ध होने चाहिए जो शांति, धार्मिक स्वतंत्रता, धार्मिक उत्पीड़न, भेदभाव और वर्जनाओं से आज़ादी को महत्त्व दें।

धर्मनिरपेक्षता का यूरोपीय मॉडलः–

– अमेरिकी मॉडल–धर्म और राज्य सत्ता के संबंधविच्छेद को पारस्परिक निषेध के रूप में समझा जाता है। राजसत्ता धर्म के मामले में व धर्म राजसत्ता के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।
– ये संकल्पना स्वतंत्रता और समानता की व्यक्तिवादी ढंग से व्याख्या करती है।
– धर्मनिरपेक्षता में राज्य समर्थित धार्मिक सुधार के लिये कोई जगह नहीं है।

धर्मनिरपेक्षता का भारतीय मॉडलः–

– भारतीय धर्म निरपेक्षता केवल धर्म और राज्य के बीच संबंध विच्छेद पर बल नहीं देता।
– अप्लसंख्यक तथा सभी व्यक्तियों को धर्म अपनाने की आजादी देता है।
– भारतीय राज्य धार्मिक अत्याचार का विरोध करने हेतु धर्म के साथ निषेधात्मक संबंध भी बना सकता है।
– भारतीय संविधान ने अल्पसंख्यकों को खुद अपनी समस्याएं खोजने का अधिकार है तथा राज्यसत्ता के द्वारा सहायता भी मिल सकती हैं।
– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 42वें संशोधन 1976 के बाद पंथ निरपेक्ष शब्द जोड़ दिया है।
– मौलिक अधिकारों में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार शिक्षा व सांस्कृति का अधिकार सभी धर्मों को समान अवसर प्रदान करते हैं।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारः–

– अनुच्छेद 24 से 28 तक

https://www.evidyarthi.in

भारतीय धर्म निरपेक्षता की आलोचनाः–

अनु0 25
- भारत में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी धर्म को मान सकता है।
- विश्वास कर सकता है।
- प्रचार कर सकता है।

अनु0 26
- धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता की व्यवस्था की गई है।

अनु0 27
- किसी व्यक्ति को ऐसा कोई कर देने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा जो किसी धर्म को बढ़ाने के काम आए।

अनु0 28
- सरकारी शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा पर रोक लगाई गई है।

– धर्म विरोधियों के अनुसार धर्म निरपेक्षता धर्म विरोधी है तथा धार्मिक पहचान के लिए खतरा पैदा करती है।

– पश्चिम से आयातित है।

– अल्पसंख्यक अधिकारों की पैरवी करती है। अल्पसंख्यकवाद का आरोप मढ़ा जाता है।

– वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देती है।

– अतिशय हस्तक्षेपकारी क्योंकि भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्यसत्ता समर्थित धार्मिक सुधार की इजाजत देती है।

असंभव परियोजनाः–

– धर्म निरपेक्षता की नीति बहुत कुछ करना चाहती है परन्तु यह परियोजना सच्चाई से दूर है जो असम्भव है।

– अनेक आलोचनाओं के बाद भी भारत की धर्म निरपेक्षता की नीति भविष्य की दुनिया का प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करती हैं। भारत में महान प्रयोग किए जा रहें है। जिसे पूरा विश्व चाव से देखता है। यूरोप अमेरिका तथा मध्यपूर्व के कुछ देश धर्म संस्कृति की विविधता से भारत जैसे दिखने लगे है।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

प्रश्नावली

एक अंकीय प्रश्नः—

1. धर्म निरपेक्षता का क्या अर्थ है।
2. कश्मीरी पण्डितों को कौन—से राज्य से निकाला गया?
3. सिख धर्म के दंगे कब हुए?
4. धर्म के दो मुख्य दोष कौन से है?
5. कुछ लोग मानते हैं धर्म महज जन समुदाय के लिए .... है।
6. कमाल अता तुर्क का पुराना नाम क्या था?
7. अतातुर्क का क्या अर्थ है?
8. भारतीय संविधान में पंथ निरपेक्ष शब्द कब जोड़ा गया?
9. अनुच्छेद 25 से 28 किस के लिए बनाया गया है।
10. पंथ निरपेक्ष शब्द को वोट की राजनीति क्यों कहते है?

दो अंकीय प्रश्नः—

1. धर्म शब्द का क्या अर्थ है?
2. धर्म निरपेक्षता बनाए रखने के दो उपाय बताओ?
3. भारतीय धर्म निरपेक्षता की क्या विशेषता है?
4. धर्म में राज्य की सैद्धान्तिक दूरी से आप क्या समझते है?
5. धर्म निरपेक्षता की दो कमियां लिखो?
6. 20वीं शताब्दी में तुर्की में किस तरह धर्म निरपेक्षता को अपनाया गया?
7. अंतधार्मिक वर्चस्व का अर्थ स्पष्ट करे?
8. पश्चिमी धर्म निरपेक्षता का मूल मंत्र क्या है? ये वर्चस्ववाद का उदाहरण कैसे हैं?
9. किसी अल्पसंख्यक समुदाय को अपने पृथक शैक्षिक संस्था बनाने की अनुमति होना क्या धर्म निरपेक्षता है? कारण बताइए?

चार अंकीय प्रश्नः—

1. धर्म निरपेक्षता की भारतीय अवधारणा तथा पश्चिमी अवधारणा में क्या अन्तर है?
2. सम्प्रदायिकता का क्या अर्थ है? इसे रोकने के उपाय बताइए?
3. भारत में धर्म निरपेक्षता अपनाने के क्या कारण है?
4. धर्म निरपेक्ष राज्य की आलोचना क्यों की जाती है?

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

पांच अंकीय प्रश्नः—

1. धर्म निरपेक्षता के बारें में नेहरू के विचार—

जब किसी विद्यार्थी से यह बताने को कहा कि आजाद भारत में धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब होगा? तो उन्होंने जवाब दिया था— 'सभी धर्मों को राज्य द्वारा समान संरक्षण। वे ऐसा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र चाहते थे जो 'सभी धर्मों की हिफाजत करे; और खुद किसी धर्म को राज्यधर्म को स्वीकार न करें'। नेहरू भारतीय धर्मनिरपेक्षता के दार्शनिक थे।

नेहरू स्वयं किसी धर्म का अनुसरण नहीं करते थे। ईश्वर में उनका विश्वास ही नहीं था। लेकिन उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब धर्म के प्रति विद्वेष नहीं था। इस अर्थ में नेहरू तुर्की के अतातुर्क से काफी भिन्न थे। साथ ही, वे धर्म और राज्य के बीच पूर्ण संबंध विच्छेद के पक्ष में भी नही थे। उनके विचार के अनुसार, समाज में सुधार के लिए धर्मनिरपेक्ष राज्यसत्ता धर्म के मामले में हस्तक्षेप कर सकती है। जातीय भेदभाव, दहेज प्रथा और सती प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बनवाने तथा देश की महिलाओं को कानूनी अधिकार और सामाजिक स्वतंत्रता मुहैया कराने में नेहरू ने खुद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

1) नेहरू जी के अनुसार धर्म निरपेक्षता का क्या अर्थ है?
2) नेहरू जी किस धर्म का अनुसरण करते थे?
3) समाज के विकास के लिए नेहरू जी का क्या योगदान था?

2.

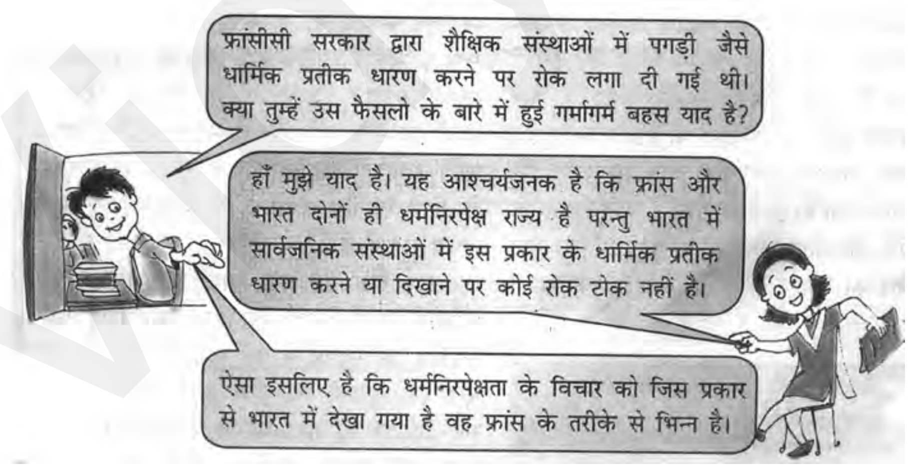

1) फ्रांसीसी सरकार ने शैक्षिक संस्थाओं पर क्या रोक लगा दी।
2) क्या फ्रांस धर्म निरपेक्ष राज्य है?
3) धर्मनिरपेक्षता के विचार में फ्रांस तथा भारत में क्या अन्तर है?

https://www.evidyarthi.in

3. भारत में राजपत्रित अवकाशों, की सूची को ध्यान से पढ़ें। क्या यह भारत में धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण प्रस्तुत करती है? तर्क प्रस्तुत करें।

अवकाश का नाम	दिनांक (2006 ई.)
ईद–उल–जुहा (बकरीद)	11 जनवरी
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी
मुहर्रम	09 फरवरी
होली	15 मार्च
रामनवमी	06 अप्रैल
महावीर जयंती	11 अप्रैल
मिलाद–उल–नबी	11 अप्रैल
गुड फ्राइडे	14 अप्रैल
बुद्ध पूर्णिमा	13 मई
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
जन्माष्टमी	16 अगस्त
महात्मा गांधी जन्म दिवस	2 अक्टूबर
दशहरा (विजय दशमी)	2 अक्टूबर
महार्षि वाल्मीकी जन्म दिवस	07 अक्टूबर
दीपावली	21 अक्टूबर
ईद–उल–फितर	25 अक्टूबर
गुरूनानक जन्म दिवस	05 नवम्बर
क्रिसमस	25 दिसम्बर

(i) भारत में राजपत्रित अवकाशों की सूची को पढ़ने से धर्म के विषय में क्या अनुमान लगा सकते हो?

(ii) अवकाशों की सूची में कौन–कौन से धर्मों का अवकाश रखा गया है।

छः अंकीय प्रश्नः–

1. भारतीय धर्म निरपेक्षता की आलोचना की चर्चा क्यों?
2. भारतीय धर्म निरपेक्षता का जोर धर्म और राज्यों के अलगाव पर नहीं अपितु उससे अधिक किन्हीं बातों पर है, इस कथन को समझाइए?
3. क्या धर्म निरपेक्षता नीचे लिखी बातों के लिए न्याय संगत है?

   (i) अल्पसंख्यक समुदाय के तीर्थ स्थल के लिए आर्थिक अनुदान देना?

   (ii) सरकारी कार्यालयों में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करना?

https://www.evidyarthi.in

उत्तरमाला

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तरः—

1. विभिन्न धर्मों के बीच बिना भेदभाव के समान अवसर प्रदान करना।
2. जम्मू कश्मीर
3. 1984
4. धर्म के अन्दर वर्चस्ववाद धर्म के बीच वर्चस्ववाद
5. अफीम
6. कमाल पाशा
7. तुर्कों का पिता
8. 42वें संशोधन 1976 में
9. धार्मिक अधिकार
10. उम्मीदवार धर्म के नाम चुने जाते है।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तरः—

1. कर्त्तव्य का पालन करना

   धर्म के अनेक पंथ सम्मिहित होते है।
2. i) राज्यसत्ता चलाने वाला किसी धर्म से सम्बन्धित न हो।

   ii) किसी धर्म की तरफदारी न करना।
3. बिना किसी धार्मिक भेदभाव के संविधान में समानता का अधिकार, सभी को अपना धर्म मानने की छूट, कानून के समक्ष समानता बगैर धर्म की परवाह के।
4. राज्य का अपना कोई धर्म नहीं।
5. i) वोट बैंक की राजनीति।

   ii) एक असंभव परियोजना।
6. i) मुस्लमान की एक विशेष टोपी पहनने पर रोक।

   ii) पश्चिमी पोशाक पहनने पर बल।
7. i) विशेष धर्म के अन्दर किसी विशेष समुदाय का बोल बाला या मनमानी करवाना।

   ii) महिलाओं तथा दलितों का शोषण व भेदभाव

https://www.evidyarthi.in

8. i) धर्म तथा राजसत्ता का सम्बन्ध अलग–अलग।

ii) दोनों एक दूसरें में हस्ताक्षेप नहीं करते।

iii) इंटरनेट का प्रयोग, पश्चिमी पोशाक का पहनना मैकडोन्लड का खाना पीना जैसी लाखों चीजों का प्रचलन वर्चस्ववाद कहलाता है।

9. हाँ, धर्म निरपेक्षता है क्योंकि अनुच्छेद 29 के अनुसार, अल्पसंख्यकों को अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति बनाए रखने का अधिकार है।

अनुच्छेद 31 अल्पसंख्यक तथा अन्य सभी अपनी रूचि की शिक्षा प्राप्त कर सकते है।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर:–

1. i) भारत में धार्मिक सहनशीलता पश्चिती देशों में नहीं।

ii) विभिन्नता के साथ भेदभाव नहीं, अल्पसंख्यकों को सरंक्षण प्रदान। पश्चिम में नहीं।

2. अपने धर्म को अधिक महत्व देना दूसरे धर्म को हीन समझना।

i) भेदभाव करने वाली राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करना।

ii) अधिकारियों को दण्डित करना

iii) शिक्षा सामग्री में बदलाव

iv) भेदभाव पैदा करने वाले समाचारों पर रोक

3. विभिन्न भाषा, जाति, धर्म के लोगों ने बंधुता समानता एकता बनाए रखने के लिए।

4. i) धर्म निरपेक्षता एक असंभव परियोजना मानी जाती है।

ii) वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा मिलता है।

iii) अल्पसंख्यकों संख्यकों को आर्थिक सहायता जो समानता के अधिकार का विरोध

पांच अंकीय प्रश्नों के उत्तर:–

1. i) सभी धर्मों को राज्य द्वारा समान सरंक्षण जो सभी धर्मों की हिफाजत करें।

ii) नेहरू किसी धर्म का अनुसरण नहीं करते थे।

iii) समाज की बुराईयों को समाप्त किया जैसे जातीय भेदभाव दहेज प्रथा, सती प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बनाना

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

2. i) पगडी पहनने पर बुर्का पहनने पर, धार्मिक प्रतीकों पर रोक

ii) फ्रांस धर्म निरपेक्ष का यूरोपीय मॉडल है।

iii) – फ्रांस धर्म के प्रतीकों पर रोक लगाता है भारत नहीं

– भारत मे ंअपने धर्म का प्रचार–प्रसार कर सकते हैं परंतु फ्रांस में नही।

3. 1) सभी धर्मां को ध्यान में रख कर अवकाश सूची बनाई गई। धर्म निरपेक्षता को ध्यान में रखा गया है

2) i) ईद अल जुहा, मुहर्रम, मिलाद–उन–नबी, ईद उल फितर – मुस्लिम धर्म

ii) गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती – राष्ट्रीय त्यौहार

iii) होली, दीपावली, रामनवमी, जन्माष्टमी – हिन्दू धर्म

iv) महावीर जयन्ती – जैन धर्म

v) बुद्ध पूर्णिमा – बौद्ध धर्म

vi) गुड़ फ्राइडे, क्रिसमिस – ईसाई धर्म

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. धर्म विरोधी, पश्चिम से आयतित, अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा, हस्तक्षेपकारी, वोट बैंक की राजनीति एक असंभव परियोजना।

2. लोगों में प्रेम, बंधुता, एकता की भावना पैदा करना, अखण्डता को बचाना, अल्पसंख्यक लोगों की संस्कृति भाषा का विकास।

3. i) हां ये न्यायसंगत है, ताकि अल्पसंख्यक अपने धर्म का प्रचार प्रसार कर सकें आर्थिक रूप से पिछड़ों की भावनाओं का आदर।

ii) नहीं ये धर्म निरपेक्षता के विरूद्ध है क्योंकि सरकारी कार्यालय किसी विशेष धर्म का अनुष्ठान करना अन्य धर्मों का विरोधी है।

https://www.evidyarthi.in